विज्ञान पुस्तकालय

(Science Library)

आधुनिक शिक्षा प्रणाली के अनुसार बालकों को शिक्षा इस प्रकार से दी जाती है कि वे नवीन बातों की खोज स्वयं करें। अध्यापक एक पथ-प्रदर्शक (Guide) के रूप में कार्य करता है। इसके साथ ही अध्यापक के लिये यह भी सम्भव प्रतीत नहीं होता है कि वह निश्चित अध्ययन काल में ही विज्ञान का पूरा पाठ्यक्रम, पुनरावृत्ति प्रश्न, पर्याप्त अभ्यास एवं मनोरंजन की दृष्टि से विज्ञान एवं वैज्ञानिकों का इतिहास तथा विज्ञान सम्बन्धी पहेलियाँ भी कक्षा में ही हल करा दे। किसी सीमा तक वह अपने प्रयासों से छात्रों में विज्ञान के प्रति रुचि उत्पन्न करने का भरसक प्रयत्न करता है। कोर्स सम्बन्धी विषयों पर पर्याप्त अभ्यास उसको कक्षा के बाद में कराना होता है। पर्याप्त अभ्यास कराने के लिये एवं मनोरंजन की दृष्टि से अध्ययन कराने के लिये उसे पाठ्य-पुस्तकों के अतिरिक्त अन्य पुस्तकों के अध्ययन की भी आवश्यकता पड़ती है जो कि विज्ञान पुस्तकालय द्वारा ही सम्भव हो सकती है।

अध्यापक को स्वयं भी अपने ज्ञान को विस्तृत करने के लिये एवं शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिये आधुनिक खोजों एवं नवीन प्रणालियों के सम्पर्क में आना पड़ता है। केवल पाठ्य-पुस्तकों की सहायता से वह विद्यार्थियों की सभी आवश्यकतायें पूर्ण नहीं कर सकता। इस दृष्टि से विज्ञान पुस्तकालय का विज्ञान अध्यापक के लिये बहुत महत्त्व है।

हायर सेकेण्डरी स्कूलों में विज्ञान पुस्तकालय, स्कूल लाइब्रेरी का ही एक अंग होना चाहिये। यदि विद्यालय में एक विज्ञान कक्ष है और कोई अध्यापक उस कक्ष का अध्यक्ष है तब विज्ञान पुस्तकालय विज्ञान कक्ष में भी स्थापित किया जा सकता है।

पुस्तकालय की आवश्यकता एवं महत्त्व

(Need and Importance of Library)

1 सहायक पुस्तकों की सुविधा (Facility for Reference Books) — छात्रों को अपने विषय पर अन्य अनुभवी और योग्य लेखों के विचार जानने के लिये अन्य पुस्तकें पुस्तकालय में ही सुलभ हो सकती हैं। मूल्यवान और विविध प्रकार की पुस्तकें छात्रों द्वारा खरीदा जाना सम्भव नहीं है।

2. विस्तृत ज्ञान (Scope for Wider Knowledge) – अपनी पाठ्य-पुस्तकों के अतिरिक्त अन्य पुस्तकें पढ़ने से विषय का ज्ञान विस्तृत होगा और छात्रों में पुस्तकालय से सुलभ अच्छी पुस्तकें पढ़ने से अध्ययनशीलता का विकास होगा जिसके लिए पुस्तकालय का होना बहुत ही आवश्यक एवं महत्त्वपूर्ण है।

3. शिक्षकों की दृष्टि से (From Teachers' Point of View) — पुस्तकालय की आवश्यकता छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों को भी है। अपने विषय पर उच्च स्तर की पुस्तकें पढ़कर अपने ज्ञान को

Scanned with CamScanner

विस्तृत करना तथा किसी स्थल पर अधिक स्पष्टीकरण अथवा किसी प्रकार की शंका आदि होने पर अच्छे लेखकों की पुस्तकों की सहायता से शिक्षक लाभ उठा सकते हैं और समय-समय पर पुस्तकालय से सन्दर्भ पुस्तकें (Reference Books) ले सकते हैं।

4. **शिक्षण-सामग्री (Collection of Material Aids)**— पुस्तकालय केवल पुस्तकों के ही संग्रह के लिये नहीं अपितु शिक्षण-विधियों और शिक्षण-सामग्री के संग्रह का भी स्थान है। अतः शिक्षकों को उत्तम शिक्षण हेतु नवीन शिक्षण-विधियों का ज्ञान कराने तथा उन्हें शिक्षण-सामग्री (चार्ट, चित्र, रेखाचित्र, मॉडल, स्लाइड्स आदि) उपलब्ध कराने के लिये भी पुस्तकालय का महत्त्व है।

विज्ञान पुस्तकालय के लिये पुस्तकों का चुनाव

(How to make selection of Books)

चूँकि, कोई भी विद्यालय विषय पुस्तकालय (Subject Library) के लिये अधिक मात्रा में धन व्यय नहीं कर सकता अतः यह बहुत ही आवश्यक है कि जो धन विज्ञान पुस्तकालय के लिये मिले उसका उचित प्रकार से उपयोग किया जाये तथा केवल उन्हीं पुस्तकों को खरीदा जाए जो विद्यार्थियों अथवा अध्यापक की विद्यालय एवं शिक्षण सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूर्ति करें। बहुधा देखने में आता है कि यदि कोई अध्यापक कोई उच्च परीक्षा दे रहा है या अनुसन्धान कार्य कर रहा है तो उससे सम्बन्धित पुस्तकें वह स्वयं न खरीदकर पुस्तकालय में खरीदवा देता है जिसका वहाँ बाद में कभी कोई उपयोग नहीं होता। पुस्तकें खरीदते समय इस बात का भी ध्यान रखना चाहिये कि पुस्तकें छोटी और बड़ी सभी कक्षाओं के लिये खरीदी जायें न कि किसी कक्षा विशेष अथवा वर्ग के लिये।

पुस्तकों का चुनाव करते समय निम्न बातों पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिये—

1. अनुभवी तथा योग्य अध्यापकों तथा वैज्ञानिकों द्वारा लिखी पुस्तकों को ही पुस्तकालय के लिये खरीदना चाहिये।

2. उपलब्ध धनराशि को ध्यान में रखते हुये केवल उन्हीं पुस्तकों को खरीदा जाये जो अध्यापक एवं विद्यार्थियों की अधिक से अधिक आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें।

3. पुस्तकालय में प्रतिदिन उपयोग में आने वाली पुस्तकों की कई प्रतियाँ (Copies) मंगानी चाहियें तथा अन्य उपयोगी पुस्तकों की कम से कम एक प्रति अवश्य होनी चाहिये।

4. पुस्तकें खरीदने से पूर्व किसी अच्छे पुस्तकालय में जाकर विज्ञान की उपयोगी पुस्तकों की सूची तैयार कर लेना चाहिये।

5. पुस्तकों की मुख्य-मुख्य बातों के बारे में उनके संक्षिप्त विवरण तथा केटलॉग (Catalogue) को देखकर ही उनको खरीदना चाहिये।

6. विज्ञान पुस्तकालय के लिये उपयोगी पुस्तकों का चुनाव करने में अन्य स्कूलों के अध्यापकों से भी सहायता लेनी चाहिये।

7. आकर्षक, सुन्दर छपावट, मजबूत जिल्द तथा कम मूल्य की पुस्तकों को पुस्तकालय के लिये खरीदना चाहिये।

8. पुस्तकें खरीदते समय विभिन्न विद्यार्थीयों की रुचि, योग्यता, आयु तथा स्तर को ध्यान में रखना चाहिये।

9. केवल उन्हीं पुस्तकों को खरीदना चाहिये जिनमें विषय-सामग्री ठीक से व्यवस्थित की गई हो।

Scanned with CamScanner